E-CONTENT FOR SEMESTER II

अनुभववाद – 1
(EMPIRICISM – 1)

BY: SWATI SOURAV
POSTGRADUATE DEARTMENT OF SOCIOLOGY
PATNA UNIVERSITY

परिचय

- अनुभववाद ज्ञान-मीमांसा का एक शिक्षा संकाय है।
- ज्ञान-मीमांसा दर्शनशास्त्र के शाखा तत्वमीमांसा का एक महत्वपूर्ण पहलु है जिसके मदद से हमें ज्ञान की वैधता एवं इसको प्राप्त करने के साधनों की जानकारी प्राप्त होती है।
- किसी भी अनुसंधान को पूर्ण रूप से सार्थक करने हेतु उसमे उपयोग की गयी प्रक्रियाएं एवं उस अनुसंधान का ज्ञानमीमांसीय आधार,दोनों के बीच का सम्बन्ध बहुत नाजुक होता है।
- सामाजिक दुनिया को जानने के विभिन्न शिक्षा संकय्यो में अनुभववाद, प्रत्यक्षवाद (Positivism), यथार्थवाद (Realism), आदर्शवाद (Idealism), व्याख्यात्मकवाद (interpretivism), एवं उत्तर आधुनिकतावाद (Post-modernism) आते हैं।

अनुभववाद का उद्गम (Origin of Empiricism)

- अनुभववाद (Empiricism) तर्कवादी (Rationalist) विचार के प्रक्रिया का परिणाम है।
- अनुभववाद का मानना है कि सारे ज्ञान का उद्गम भावना या संवेदना के अनुभव से होता है।
- अतः इसके विचार से ज्ञान एक संवेदी धारणा का रूप है।
- इस शिक्षा संकाय के उद्गम के पीछे कुछ घटनाएं हैं। यह वो घटनाएं हैं जिसने अंग्रेज़ी समाज को बदला एवं एंग्लो-सेक्सोन के सामाजिक वास्तविकता के मानने के तरीके को प्रभावित किया।

To be cont.

- अनुभववाद के उद्‌गम में तीन घटनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
- पहली घटना थी अंग्रेजी नागरिक युद्ध (English Civil war) जिसमें राज-तंत्र एवं सामंतवाद को चुनौती दी गयी।
- दूसरी घटना थी मानवों के बीच समानता एवं व्यकिगत अधिकार के बढ़ते मांग की।
- तीसरी घटना थी वाणिज्य एवं विज्ञान के अभूतपूर्व विकास की, जैसे कि गैसों के मूल को समझने के लिए बॉयल का प्रयोग, बैक्टीरिया की दुनिया की खोज के लिए लेयूवेन्हूक द्‌वारा माइक्रोस्कोप का उपयोग, विलियम हार्वे की रक्त के परिसंचरण की खोज।
- न्यूटन द्‌वारा स्थापित गति के नियमों ने अनुभववादी के तर्कों को विकसित करने के तरीके को प्रभावित किया, जो डेसकार्टेस के तर्कवाद से परे था।
- जैसे कि जॉन लोके जैसे सिद्‌धांतकार, जिन्होंने प्रतिबिंब के साथ अनुभव के बल को संयुक्त किया। दूसरी ओर डेविड ह्यूम के संदेह और पूछताछ ने सामाजिक जांच में अनुभववादी परंपरा की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।

अनुभववाद: एक सिद्धांत (EMPIRICISM: A THEORY)

- अनुभववाद का केंद्रीय सिद्धांत यह है कि “सत्य केवल प्रत्यक्ष अनुभव से आता है”।
- शब्दों को केवल तभी समझा जा सकता है जब वे वास्तविक अनुभव के लिए अपने प्राप्तकर्ता से जुड़े हों।
- शब्द 'अनुभवजन्य' ग्रीक शब्द एमपीरिया से आया है, जिसका अर्थ है 'अनुभव', और इसका इतिहास प्लेटो और सोफिस्ट्स तक वापिस जाता है।
- ब्रिटिश साम्राज्यवाद ग्रेट ब्रिटेन में अठारहवीं शताब्दी के दार्शनिक आंदोलन को संदर्भित करता है, जिसने यह सुनिश्चित किया कि सभी ज्ञान अनुभव से आते हैं।
- अनुभववादियों के विपरीत, तर्कवादियों ने कहा कि ज्ञान मूलभूत अवधारणाओं से आता है जो सहज ज्ञान युक्त कारण से ज्ञात होता है, जैसे जन्मजात विचार। अन्य अवधारणाएं इनमेसे तर्कपूर्ण ढंग से तैयार किये जाते हैं।

To be cont.

- ब्रिटिश अनुभववादी जन्मजात सिद्धांत को कट्टर रूप से अस्वीकार करते हैं।
- उनका तर्क है कि, ‘ज्ञान, संवेदना के अनुभव एवं आतंरिक-मानसिक अनुभव (जैसे कि भावनाएं), दोनों पर आधारित होता है।
- अनुभववाद को अच्छे से समझने के लिए उदाहरंस्वरूप दो महत्वपूर्ण ब्रिटिश अनुभववादी – जॉन लॉक एवं डेविड हुम – के विचारों को समझना होगा।
- इसका हम अनुभववाद के अगले भाग में विस्तार्पुर्वाक विवेचना करेंगे।

धन्यवाद